दैनिक न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 || Postal Registration No-055/Raigarh DN CG || रायगढ़, मंगलवार 12 नवम्बर 2019 || पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए || वर्ष-02, अंक- 45

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक दैनिक हो गया है। इसका सर्वे का कार्य आगे भी तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

दिल्ली में वकीलों की हड़ताल रहेगी बरकरार

» उपराज्यपाल के साथ पुलिस व वकीलों की बेनतीजा साबित हुई बैठक

नई दिल्ली (आरएनएस)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में वकील-पुलिस की भीषण झड़प की घटनाओं के बाद दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश पर इस विवाद का हल निकालने के लिए सभी जिला अदालत एसोसिएशन के सदस्यों, दिल्ली पुलिस के प्रतिनिधियों और उपराज्यपाल अनिल बैजल के बीच रविवार को हुई बैठक में कोई नतीजा नहीं निकल पाया। इस वजह से दिल्ली में वकीलों की हड़ताल जारी रहेगी।

यह जानकारी सभी जिला अदालतों के बार एसोसिएशन की कॉर्डिनेशन कमेटी के महासचिव धीर सिंह कसाना ने कहा कि हमारे सहयोग के बावजूद, वकीलों पर गोली चलाने वाले पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार करने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया, इसलिए दिल्ली के सभी जिला अदालतों में शांतिपूर्ण तरीके से पूर्ण हड़ताल रहेगी। हमारी मांग थी कि वकीलों पर गोली चलाने वाले पुलिस अधिकारियों गिरफ्तार किया जाए। पुलिस अधिकारियों ने इसका विरोध किया। इसलिए हम काम का बहिष्कार करना जारी रखेंगे। हालांकि पुलिस ने उपराज्यपाल के निवास पर चर्चा के दौरान कहा कि उन्हें समझने की कोशिश की गई कि चूंकि न्यायिक जांच चल रही है, इसलिए जांच के परिणाम के आधार पर ही किसी भी आरोपी व्यक्तियों के खिलाफ आगे की कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने बताया कि उपराज्यपाल ने पुलिस और वकील दोनों से अपील की कि वे इस मुद्दे को सुलझाने के लिए बातचीत जारी रखें। उन्होंने बताया, दिल्ली हाईकोर्ट के निर्देश पर वकीलों के निकायों के साथ वार्ता शुरू करने के लिए दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों की एक टीम गठित की गई है। उन्होंने बताया कि चर्चा के दौरान दिल्ली पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि चूंकि न्यायिक जांच पहले से ही चल रही है, इसलिए न्यायिक जांच के नतीजों के आधार पर ही किसी भी आरोपी व्यक्ति के खिलाफ आगे की कार्रवाई की जानी चाहिए। उपराज्यपाल ने पुलिस और वकील दोनों से मुद्दों को सुलझाने के लिए बातचीत जारी रखने की भी अपील की। कसाना ने बताया कि एक घंटे तक चली बैठक में विशेष पुलिस आयुक्त सतीश गोलचा, प्रवीर रंजन, संयुक्त आयुक्त देवेश श्रीवास्तव, पुलिस उपायुक्त (उत्तर) मोनिका भारद्वाज, बार काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष मनन कुमार मिश्रा और सभी जिला अदालतों के बार एसोसिएशन की समन्वय समिति के सभी सदस्य उपस्थित थे।

सीआरपीएफ ने सोनिया, राहुल और प्रियंका की सुरक्षा का जिम्मा संभाला

नई दिल्ली (आरएनएस)। केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और उनके बेटे राहुल गांधी और बेटी प्रियंका की सुरक्षा का जिम्मा सोमवार को संभाल लिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। केन्द्र सरकार ने पिछले सप्ताह सोनिया, राहुल और प्रियंका की एसपीजी सुरक्षा को वापस ले लिया था।

अधिकारियों ने बताया कि सोनिया गांधी के 10, जनपथ स्थित आवास पर इजरायली एक्स-95, एके सीरीज और एमपी-5 बंदूकों के साथ केन्द्रीय अर्द्धसैनिक बल के कमांडो की एक टुकड़ी ने सुरक्षा का जिम्मा संभाल लिया है। इसी तरह का एक दस्ता कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और वायनाड से सांसद राहुल गांधी के तुगलक लेन स्थित आवास और प्रियंका गांधी वाड्रा के लोधी एस्टेट में स्थित आवास पर तैनात किया गया है। विशेष सुरक्षा समूह (एसपीजी) सुरक्षा हटाये जाने के बाद केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने सीआरपीएफ को एक विशेष वीवीआईपी सुरक्षा इकाई को अखिल भारतीय आधार पर गांधी परिवार को 'जेड प्लस' सुरक्षा उपलब्ध कराने को कहा है। अधिकारियों ने बताया कि नए सीआरपीएफ कवर में इन तीन वीवीआईपी के लिए एक उन्नत सुरक्षा संपर्क (एएसएल) कवायद का प्रावधान है, और इसके तहत कमांडो को उनके द्वारा दौरा किए जाने वाले स्थानों और क्षेत्र की पहले से जांच करने का अधिकार होगा। अधिकारियों ने बताया था कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के परिवार को दी गयी एसपीजी सुरक्षा वापस लेने का फैसला एक विस्तृत सुरक्षा आकलन के बाद लिया गया। लिट्टे के आतंकवादियों ने 21 मई 1991 को राजीव गांधी की हत्या कर दी थी। सोनिया, राहुल और प्रियंका से 28 साल बाद एसपीजी सुरक्षा वापस ले ली गयी। उन्हें सितंबर 1991 में 1988 के एसजीपी कानून के संशोधन के बाद वीवीआईपी सुरक्षा सूची में शामिल किया गया था। इस फैसले के साथ करीब 4,000 बल वाला एसजीपी अब केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में तैनात रहेगा।

महत्वपूर्ण एवं खास

बांदीपोरा में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में दो आतंकी ढेर

» भारी मात्रा में हथियार एवं गोला-बारूद बरामद

श्रीनगर (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले में सोमवार को घेराबंदी एवं तलाश अभियान के दौरान सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए। सुरक्षाबलों ने आतंकियों के पास से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया है। फिलहाल पता लगाने की कोशिशें जारी हैं कि दोनों कहां के रहने वाले हैं और इनका किस आतंकी संगठन से रिश्ता है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि बांदीपोरा के लावदारा में आतंकवादियों के छिपे होने की खुफिया सूचना के आधार पर राष्ट्रीय राइफल्स, जम्मू-कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवानों ने रविवार देर रात संयुक्त अभियान चलाया। सुरक्षा बलों ने जब बाहर निकलने के सभी रास्ते बंद कर दिये तो आतंकवादियों ने उन पर गोलीबारी शुरू कर दी। सुरक्षा बलों ने भी जवाबी कार्रवाई की जिससे मुठभेड़ शुरू हो गई। उन्होंने बताया कि निकटवर्ती शिविरों से अतिरिक्त सुरक्षा बलों को घटनास्थल पर भेजा गया ताकि इलाके को सील कर आतंकवादियों के फरार होने की कोशिश को नाकाम किया जा सके। मुठभेड़ सुबह तक चलती रही जिसमें दो आतंकवादी मारे गये। उनकी पहचान अब तक नहीं की जा सकी है।

शिवसेना के अरविंद सावंत ने मोदी कैबिनेट से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली (आरएनएस)। महाराष्ट्र में सरकार गठन को लेकर रस्साकशी जारी है। भाजपा और शिवसेना के बीच सरकार बनाने को लेकर सहमति न बनने के बाद महाराष्ट्र में दोनों पार्टियों की राहें जुदा हो गई। कारण कि शिवसेना के एकमात्र सांसद और केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल अरविंद सावंत ने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने सोमवार को प्रेसवार्ता कर कहा कि हमारा गठबंधन खत्म हुआ। मैंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। शिवसेना महाराष्ट्र में नई सरकार बनाने के लिए एनसीपी और कांग्रेस के साथ शिवसेना बातचीत कर रही है। इसी क्रम में उद्धव ठाकरे अपने बेटे आदित्य के साथ शरद पवार से मिले हैं। केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा देने के बाद सावंत ने कहा कि भाजपा चुनाव पूर्व किए अपने वादों से पीछे हट गई है। ऐसे में मेरे लिए केंद्र में बने रहना नैतिक रूप से सही नहीं था इसलिए उन्होंने केंद्रीय मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया है। सावंत केंद्र सरकार में भारी उद्योग और सार्वजनिक उद्यम मंत्री का पदभार संभा रहे थे। सोमवार सुबह उन्होंने ट्विटर पर लिखा कि लोकसभा चुनाव से पहले सरकार गठन को लेकर एक फॉर्मूला तय हुआ था, लेकिन अब इस फॉर्मूले को मना किया जा रहा है।

बांग्लादेश में बुलबुल तूफान से मरने वालों की संख्या 13 हुई

ढाका। बांग्लादेश में बुलबुल तूफान के चलते कम से कम 13 लोगों की मौत हुई है और 20 से अधिक घायल हुए हैं। इसके साथ ही कई घर तबाह हो गए हैं और हजारों लोगों को विस्थापित होना पड़ा है। मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। चक्रवाती तूफान रविवार को बांग्लादेश में पहुंचा और इस दौरान 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चली। बीडी न्यूज24 डॉट कॉम ने बताया कि चक्रवात से देश के दक्षिण-पश्चिमी तटीय जिलों में लगभग 5000 घर तबाह हुए। रिपोर्ट में कहा गया, अब तक 13 लोगों की मौत हो चुकी है। ये मौतें दक्षिणी बांग्लादेश के विभिन्न हिस्सों खुलना, बरगुना और गोपालगंज में हुई हैं। अधिकारियों ने कई रूट पर नौका परिचालन पर अस्थाई रूप से रोक लगा दी है। बांग्लादेश सरकार ने प्रभावित लोगों को आश्रय देने के लिए इंतजाम किए हैं। आपदा प्रबंधन और राहत राज्य मंत्री इनामुर रहमान ने कहा कि चक्रवात के दौरान 5,787 आश्रय केंद्रों में 21 लाख से अधिक लोगों को ठहराया गया है। उन्होंने बताया तूफान से फसल को भी थोड़ा नुकसान पहुंचा है।

अयोध्या मामले का फैसला सुनाने वाले पांचों जजों की बढ़ाई गई सुरक्षा

नई दिल्ली (आरएनएस)। अतिसंवेदनशील अयोध्या मामले का फैसला सुनाने वाले सुप्रीम कोर्ट के पांचों जजों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को कहा कि एहतियातन इन जजों की सुरक्षा में अतिरिक्त जवानों की तैनाती की गई है। सीजेआई समेत किसी अन्य जज को लेकर कोई विशेष खतरा नहीं है।

अयोध्या मामले का फैसला सुनाने वाली पीठ में चीफ जस्टिस रंजन गोगोई, जस्टिस शरद अरविंद बोबडे, जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस अशोक भूषण और जस्टिस एस अब्दुल नजीर शामिल हैं। अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा ड्रिल के तहत अतिरिक्त जवानों को इन जजों के आवासों पर तैनात किया गया है। साथ ही इन जजों के आवासों की ओर जाने वाली सड़कों पर कुछ बेरिकेड लगाए गए हैं। अभी तक जजों के आवास पर गार्ड और अचल सुरक्षा थी। अब इनकी सुरक्षा में मोबाइल कंपेनेंट को जोड़ा गया। साथ ही जजों के वाहनों के साथ अब सशस्त्र गार्डों से लैस एस्कार्ट वाहन भी रहेंगे।

जेएनयू में विरोध प्रदर्शन करते छात्रों पर पुलिस का लाठीचार्ज व पानी की बौछारें

» फीस बढ़ाने को लेकर बवाल

नई दिल्ली (आरएनएस)। यहां जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के निकट प्रशासन की 'छात्र-विरोधी' नीति के खिलाफ सोमवार को सैकड़ों छात्रों ने विरोध प्रदर्शन किया प्रदर्शन कर रहे छात्र अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) की तरफ आगे बढ़ने चाहते थे लेकिन गेटों पर अवरोधक लगा दिए गए हैं। उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू इस स्थान पर दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे।

जेएनयू से लगभग तीन किलोमीटर दूर एआईसीटीई के सुबह शुरू हुए विरोध प्रदर्शन के मद्देनजर परिसरों के बाहर सुरक्षाकर्मियों को तैनात कर दिया गया। एक अधिकारी ने बताया कि जेएनयू परिसर के उत्तरी और पश्चिमी द्वारों के बाहर और बाबा बालकनाथ मार्ग पर एआईसीटीई ऑडिटोरियम और जेएनयू के बीच स्थित सड़क पर बैरिकेड लगाये गए हैं। पुलिस ने बताया कि छात्रों ने इन बैरिकेड को तोड़ दिया और पूर्वाह्न लगभग साढ़े 11 बजे के एआईसीटी की तरफ मार्च करने लगे। कुछ प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया गया। हाथों में तख्तियां लेकर छात्रों ने 'दिल्ली पुलिस वापस जाओ' जैसे नारे लगाये और कुलपति एम जगदीश कुमार को एक 'चोर' बताया।

फंसे रहे रमेश पोखरियाल- मानव संसाधन विकास मंत्री रमेश पोखरियाल कार्यक्रम स्थल से बाहर नहीं आ पा रहे थे। एक अधिकारी ने बताया कि जेएनयूएसयू अध्यक्ष आइशी घोष और उपाध्यक्ष साकेत मून को एचआरडी मंत्री से मिलने का रास्ता दिये जाने के लिए छात्रों से बात करने को कहा गया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों से द्वार से हटने का अनुरोध किया लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया।

नायडू ने की संसद में महिला आरक्षण से राजनीतिक सशक्तिकरण की वकालत

नई दिल्ली (आरएनएस)। उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने सोमवार को संसद और राज्य विधानमंडलों में महिलाओं के लिए समुचित आरक्षण मुहैया करा कर उनके राजनीतिक सशक्तिकरण की हिमायत की।

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के तीसरे दीक्षांत समारोह में उन्होंने इस तथ्य पर खुशी जताया कि महिलाओं के लिए विशेष दाखिला नीति के कारण संस्थान में कुल विद्यार्थियों में 51 प्रतिशत छात्राएं हैं और अधिकतर छात्र-छात्राएं दूरदराज के इलाकों के और वंचित वर्ग से हैं। नायडू ने कहा कि वह संसद और राज्य विधानमंडलों में महिलाओं के लिए समुचित आरक्षण मुहैया कराकर उनके राजनीतिक सशक्तिकरण पर भी जोर देना चाहेंगे। उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत के लिए शिक्षा के वैश्विक केंद्र के रूप में फिर से उभरने का समय आ गया है। उन्होंने कहा कि इसके लिए हमारे विश्वविद्यालयों और शिक्षा के उच्चतर संस्थानों को अध्यापन के तरीकों की नयी दिशा तथा अनुसंधान पर और ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है। भारतीय सभ्यता में शिक्षा को समग्र एकीकृत दृष्टि पर हमेशा जोर दिया गया है। हमें सीखने के लिए इस बहु-विषयक दृष्टिकोण को वापस लाना होगा। दीक्षांत समारोह के दौरान ही कार्यक्रम के आयोजन स्थल अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) सभागार के सामने सैकड़ों छात्र जमा हो गए। ये छात्र जेएनयू में शुल्क बढ़ाने आदि को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। सुबह शुरू हुए प्रदर्शन के बाद जेएनयू से करीब तीन किलोमीटर दूर एआईसीटीई के द्वारों को बंद कर दिया गया और परिसर के भीतर-बाहर सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया। बाद में छात्र साढ़े 11 बजे के करीब दीक्षांत समारोह वाले क्षेत्र में पहुंच गए।

लोकल और एक्सप्रेस ट्रेन के बीच टक्कर, 10 घायल

» बचाव कार्य जारी

हैदराबाद (आरएनएस)। तेलंगाना के काचीगुडा रेलवे स्टेशन पर सोमवार को एक लोकल ट्रेन के स्टेशन पर खड़ी एक एक्सप्रेस ट्रेन से टकरा जाने से कम से कम 10 यात्री घायल हो गये। मलकापेट से आ रही लोकल ट्रेन के स्टेशन पर खड़ी एक्सप्रेस ट्रेन से टकरा जाने से लोकल ट्रेन में सवार 10 यात्री घायल हो गए।

इसके बाद रेलवे पुलिस के कर्मी और अन्य कर्मचारी तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और घायलों का प्राथमिक उपचार किया। घायलों को बाद में अस्पताल में भर्ती कराया गया। लोकल ट्रेन का चालक टक्कर के बाद इंजन में फंस गया जिसे सुरक्षित निकालने की कोशिश की जा रही है। हादसे में लोकल ट्रेन के पांच और एक्सप्रेस ट्रेन के तीन डिब्बे पटरी से उतर गये। रेलवे अधिकारियों ने हादसे के बाद कुछ ट्रेनों के समय में बदलाव किया है। दुर्घटनाग्रस्त डिब्बों को पटरी से हटाने का काम जारी है।

कैंसर रोगियों के लिए विशिष्ट केन्द्र खोलना जरूरी

» संसदीय समिति ने केंद्र सरकार से की सिफारिश

नई दिल्ली (आरएनएस)। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और पर्यावरण पर विभाग संबंधी संसद की स्थायी समिति ने सोमवार को अपनी रिपोर्ट में सरकार को देश में कैंसर के रोगियों की संख्या में बेतहाशा वृद्धि को देखते हुये इलाज की सीमित सुविधाओं की समस्या से निपटने के लिये पूरे देश में विशिष्ट इलाज केन्द्र बनाने की सिफारिश की है, जिससे मरीजों को एक ही स्थान पर कैंसर के इलाज की सुविधा मिल सके और उन्हें लंबी दूरी तय कर इलाज के लिये महानगरों में न जाना पड़े।

राज्यसभा सचिवालय के अनुसार विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन पर विभाग संबंधी संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष एवं कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य जयराम रमेश ने सोमवार को राज्यसभा के सभापति एम वेंकैया नायडू को समिति की रिपोर्ट सौंपी है। सभापति को समिति की 'परमाणु ऊर्जा विभाग की विस्तारित भूमिका' विषय पर आधारित इस 235वीं रिपोर्ट में भारत में कैंसर के इलाज की सुविधाओं का दायरा बढ़ाने की विस्तृत सिफारिश की गयी है।

समिति के सदस्य और सपा के राज्यसभा सदस्य रवि प्रकाश वर्मा ने बताया कि समिति ने कैंसर के इलाज की सुविधाओं के विस्तार के लिये मुंबई स्थित टाटा मेमोरियल कैंसर शोध एवं उपचार केन्द्र के नेटवर्क को देशव्यापी बनाने को कहा है। उन्होंने बताया कि टाटा मेमोरियल के मुंबई में कैंसर के एक ही स्थान पर पूरे इलाज के लिये संचालित ट्रीटमेंट हब की तर्ज पर देश के विभिन्न इलाकों में इसका विस्तार करने की सिफारिश की है। वर्मा ने बताया कि विशिष्ट इलाज केन्द्रों की जगह चिह्नित करने के लिये समिति ने सरकार को एक कार्यबल का गठन करने की सिफारिश की है।

विश्व भारती विश्वविद्यालय की राष्ट्र निर्माण में अहम भूमिका: कोविंद

नई दिल्ली (आरएनएस)। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने विश्व भारती विश्वविद्यालय की सराहना करते हुए उसे देश की संस्कृति और चरित्र को बरकरार रखने वाला करार देते हुए कहा कि इस संस्थान इस केंद्र ने राष्ट्र निर्माण में शानदार भूमिका निभाई है।

राष्ट्रपति सचिवालय के अनुसार सोमवार को विश्वविद्यालय के वार्षिक दीक्षांत समारोह को परिदर्शक (विजिटर) के तौर पर संबोधित करते हुए राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहा कि शिक्षा के इस केंद्र ने राष्ट्र निर्माण में शानदार भूमिका निभाई है। राष्ट्रपति ने कहा कि वह इस विश्वविद्यालय के दौरे को एक तीर्थयात्रा कहेंगे, क्योंकि आधुनिक भारत की दो महान विभूतियां रवींद्रनाथ टैगोर (विश्वविद्यालय के संस्थापक) और महात्मा गांधी अक्सर यहां मिलते थे। यहीं से हम इन महान संतों के जीवन के सूत्रों और सबकों को समझकर उनसे शिक्षा ले सकते हैं। कोविंद ने कहा कि 1935 में जब विश्वविद्यालय को कोष की नितांत आवश्यकता थी तब टैगोर ने गांधी से इस बारे में जिक्र किया और उन्हें 60 हजार रुपये का ड्राफ्ट प्राप्त हुआ। राष्ट्रपति ने जोर देकर कहा कि गुरुदेव (टैगोर) और महात्मा दोनों ही मानते थे कि सही शिक्षा राष्ट्र पुनर्निर्माण के लिये महत्वपूर्ण है। कोविंद ने कहा कि गुरुदेव ने (शिक्षा के) एक वैकल्पिक मॉडल का विचार किया जो प्रकृति के साथ करीबी संबंध की वकालत करती थी और विश्व भारती विश्वविद्यालय आज तक इस परंपरा का पालन कर रहा है।

उन्होंने कहा कि विश्वभारती की खासियत ऐसी है जिसे हमें सहेजने और गर्व के साथ बरकरार रखने की जरूरत है। कोविंद ने छात्रों को अपने संबोधन में कहा, यह वो जगह है जहां टैगोर जिये, काम किया और अपने सपनों को ठोस आकार दिया। छात्र, शिक्षा विद्, कर्मचारी, आश्रम में रहने वाले सभी सदस्य उस समृद्ध विरासत के उत्तराधिकारी हैं जो यहां के संस्थापक आपके लिये छोड़कर गए हैं।

उन्होंने कहा कि इस संस्थान के पूर्व छात्रों में इंदिरा गांधी और सत्यजीत रे जैसी शख्सियत रहे हैं जिन्होंने न सिर्फकाफी हद तक इस संस्थान के संस्थापक के सपनों को पूरा किया बल्कि स्वतंत्र भारत को नयी ऊंचाइयों तक ले जाने में भी योगदान दिया। राष्ट्रपति ने कहा कि ऐसे वक्त में जब मशीनों और संपत्ति को प्रगति का पैमाना माना जाता है, विश्वभारती परंपरा और आधुनिकता के एक विशिष्ट मिश्रण के तौर पर सामने आया है।